ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-३१
दिनांक- मंगलवार, २६ अप्रैल, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 38.8 एवं 19.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 83 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 30 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 6.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 25.4 एवं दोपहर में 42.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(27–30 अप्रैल 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 26–30 अप्रैल, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार के जिलों में अगले 30 अप्रैल तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। उसके बाद तराई के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा या बुंदा–बुंदी हो सकती है। वर्षा या बुंदा–बुंदी के दौरान हवा की गति तेज हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 38–41 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 22–25 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में 30 अप्रैल तक मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए किसान भाई बसंतकालीन मक्का, पिछात बोयी गई रवी मक्का, प्याज, सब्जियों की फसल एवं चारा फसलों में सिंचाई शाम के समय करें। ध्यान दें कि, सिंचाई करते समय हवा की गति कम हों।
- गेहू की कटनी एवं दौनी के कार्य को प्राथमिकता दें। कटाई के बाद गेहूँ को पुरी तरह सुखाकर भंडारित करें। भंडारण के लिए जुट के बोरे की व्यवस्था कर लें। एवं बोरे को पलटकर अच्छी प्रकार घुप में सुखाकर कीट रहित कर लें।
- गर्म हवाएं से अपने बाग को सुरक्षित करने के लिए आम एवं लीची के बगीचों में नमी बनाये रखें। नमी की कमी होने से फलों में नुकसान हो सकता है अगर किसान भाई के बाग में विगत वर्षों में फल फटने की स्थिति देखने को मिली हो तो ऐसे किसान अपने बाग में ४ ग्राम घुलनशील बोरान प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें जिससे आने वाले दिनों फल फटने के नुकसान से बच सकते है।
- आम के बागों में विगत वर्षो में फल मक्खी बहुत देखने को मिला था जिससे किसान भाइयों का नुकसान हुआ था उसको देखते हुए इस बार किसान भाई सावधानी वरते तथा फल मक्खी के प्रबन्धन के लिए "फ्रूट फ्लाई ट्रैप" सबसे बढ़िया विकल्प है। प्रति हेक्टेयर 15–20 फरोमैन ट्रैप लगाकर फ्रूट फ्लाई मक्खी को प्रबंधित किया जा सकता है। इन ट्रैपो को निचली शाखाओं पर 4 से 6 फिट की ऊंचाई पर बांधना चाहिए।एक ट्रैप से दुसरे ट्रैप के बीच में 35 मीटर की दुरी रक्खे । ट्रैप को कभी भी सीधे सूर्य की किरणों में नहीं रखे । ट्रैप को आम की बहुत घनी शाखाओ के बीच में नहीं बाधना चाहिए । ट्रैप बाग में स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए की कहा बाधा गया है । ट्रैप बांधने की अवस्था फल पकने से 60 दिन से पहले होना चाहिए और 6 से 10 सप्ताह के अंतराल पर नर की सुगंध बदलते रहना चाहिए।
- फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही 1 किलोंग्रम छोआ, 2 लीटर मैलाथियान 50 ई0सी0 को 1000 लीटर पानी मे घोल कर 15 दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट द्वारा काफी नुकसान होता है। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। अधिकता की अवस्था मे पत्तियों पर छोटे–छोटे घब्बे उभर जाते है और पत्तियाँ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है जिससे फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन/1.5 से 2 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई–गुड़ाई करें।
- बसंतकालीन मक्का, पिछात बोयी गई रवी मक्का, प्याज, सब्जियों की फसल एवं चारा फसलों में सिंचाई शाम के समय में करें। ध्यान दें कि, सिंचाई करते समय हवा की गति कम हों।
- रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे कीड़ों के अण्डे, प्युपा एवं घास के बीजों को नष्ट कर दें।

आज का अधिकतम तापमानः 37.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 20.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी